अतिरिक्त प्रश्न

प्र०१ 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ से हमें क्या प्रेरणा मिलती है?

उत्तर इस पाठ से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि हमें मानवतावादी दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। विश्व में सभी मनुष्य बराबर हैं। सभी के साथ करुणापूर्ण व्यवहार करो। अपनी भाषा पर गर्व करना सीखो। दूसरों के सुख - दुख के साथी बनो। मानवीय करुणा सर्वोपरि है।

प्र०२ 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' संस्मरण में लेखक का क्या उद्देश्य है?

उत्तर इस पाठ में लेखक का उद्देश्य यह है कि वह फादर बुल्के के मानवीय पक्ष की मार्मिक झाँकी प्रस्तुत कर सके। फादर बुल्के का जन्म बेल्जियम के रैम्सचैपल शहर में जो गिरजों, पादरियों, धर्मगुरुओं की भूमि कही जाती है। परंतु उन्होंने अपनी कर्मभूमि भारत को बनाया। फादर बुल्के एक सच्चे संन्यासी थे। लेखक का उनके साथ गहरा आत्मीय संबंध था। फादर बुल्के को हिंदी से विशेष लगाव था। लेखक ने उसी महान हिंदी प्रेमी, मानवता के प्रति करुणा भाव रखने वाले फादर बुल्के का चरित कथन इस संस्मरण में करना चाहा है।

प्र०३ फादर का अधिकांश जीवन कहाँ बीता?

उत्तर फादर का अधिकांश जीवन इलाहाबाद में बीता। वहाँ रहकर उन्होंने शोध कार्य किया, लेखन कार्य लिखा। वहीं उनका परिचय सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, धर्मवीर भारती, तथा अन्य हिंदी लेखकों के साथ हुआ।

प्र०४ लेखक ऐसा क्यों कहता है कि फादर को ज़हराबाद में नहीं मरना चाहिए था?

उत्तर क्योंकि फादर की रगों में तो मिठास भरे अमृत के सिवाय और कुछ भी नहीं था। उनके लिए जहर का विधान नहीं होना चाहिए था। वे तो प्रभु में पूरी आस्था रखते थे।

प्र०5 फादर बुल्के के व्यक्तित्व का कौन सा पहलू आपको सर्वाधिक प्रभावित करता है और क्यों?

उत्तर फादर बुल्के के व्यक्तित्व के अनेक पहलू है। वे हिंदी प्रेमी थे। पर मुझे उनके व्यक्तित्व का जो पहलू सर्वाधिक प्रभावित करता है, वह है उनका वात्सल्य एवं करुणा पूर्ण स्वभाव। वे विदेशी होते हुए भी भारतीय संस्कृति में रच-बस गए थे। उन्हें भारतीय संस्कृति मन से अच्छी लगती थी।

class 10th
sub hindi
date 14/4/20
learn and write in fair notebook